ओ३म्
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

# साप्ताहिक आर्य सन्देश

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

आर्यसमाज की ओर से समस्त देशवासियों को
नव वर्ष विक्रमी सम्वत् 2077 एवं
146वें आर्यसमाज स्थापना दिवस की

## हार्दिक शुभकामनाएँ

वर्ष 43, अंक 18 एक प्रति : 5 रुपये
सोमवार 16 मार्च, 2020 से रविवार 22 मार्च, 2020
विक्रमी सम्वत् 2076 सृष्टि सम्वत् 1960853120
दयानन्दाब्द : 197 वार्षिक शुल्क : 250 रुपये पृष्ठ 8
दूरभाष: 23360150 ई-मेल : aryasabha@yahoo.com
इंटरनेट पर पढ़ें - www.thearyasamaj.org/aryasandesh

### आर्यों की भूमि सिक्किम में दशकों बाद आर्यसमाज के नए अध्याय का प्रारम्भ

# आर्यसमाज के शिक्षा सेवा कार्यों विकास हेतु आवंटित भूमि पर यज्ञ एवं शिलान्यास

### महर्षि दयानन्द प्रतिभा छात्रावास एवं महाशय धर्मपाल आर्य सेवा केन्द्र गंगटोक सिक्किम का हुआ शिलान्यास

**राज्यपाल, मुख्यमन्त्री एवं महाशय धर्मपाल सहित सार्वदेशिक, दिल्ली एवं आर्य केन्द्रीय सभा के अधिकारियों की उपस्थिति में आर्यसमाज के बढ़ते कदम**

**स्वामीजी के सपने की एक साकार कड़ी बनेगा सिक्किम में आर्य समाज**
- गंगाप्रसाद, महामहिम राज्यपाल सिक्किम

**सिक्किम में आर्यसमाज शिक्षा एवं संस्कारों और अधिक विस्तारित करेगा** - प्रेम सिंह तमांग, मुख्यमंत्री सिक्किम

**सिक्किम में आर्यसमाज समाज का शिलान्यास मेरे लिए गौरव की बात**
- महाशय धर्मपाल, चेयरमैन, एम.डी.एच.

## सिक्किम और उत्तर पूर्व के लिए मील का पत्थर सिद्ध होगा यह संस्थान - सुरेश चन्द्र आर्य, प्रधान, सार्वदेशिक सभा

## 146वें स्थापना दिवस से 11 दिन पूर्व सिक्किम में आर्य समाज की स्थापना-एक महान उपलब्धि - धर्मपाल आर्य

आर्य समाज के 146वें स्थापना दिवस से 11 दिन पूर्व 14 मार्च, 2020 को हिमालय की गोद में बसा भारत का लघु किंतु मनोहारी राज्य सिक्किम जिसकी गगनचुंबी हिमाच्छादित पर्वत घाटियों के मध्य सिक्किम की राजधानी गंगटोक का सोनम तेनसिंह मार्ग आर्य समाज के लिए इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित हो गया। सिक्किम राज्य के राज्यपाल महामहिम श्री गंगाप्रसाद जी, मुख्यमंत्री श्री प्रेम सिंह तमांग जी, आर्य समाज के दानी भामाशाह महाशय धर्मपाल जी,

सिक्किम में सोनम तेनसिंग मार्ग पर आर्यसमाज के शिलान्यास के अवसर पर यज्ञ, ध्वजारोहण एवं दीप प्रज्जवलित करते महामहिम राज्यपाल श्री गंगा प्रसाद, मुख्यमन्त्री श्री प्रेम सिंह तमांग, पद्मभूषण महाशय धर्मपाल जी, श्री सुरेशचन्द्र आर्य जी, श्री प्रकाश आर्य जी, स्वामी सम्पूर्णानन्द जी एवं अन्य आर्य महानुभाव।

राष्ट्रगान गाते हुए मंचस्थ (दाएं से) सार्वदेशिक सभा के प्रधान श्री सुरेशचन्द्र आर्य जी, मुख्यमन्त्री श्री प्रेम सिंह तमांग जी, महामहिम राज्यपाल श्री गंगा प्रसाद जी, पद्मभूषण महाशय धर्मपाल जी, सार्वदेशिक सभा के मन्त्री श्री प्रकाश आर्य जी, दिल्ली सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी, अ.भा. दयानन्द सेवाश्रम संघ के महामन्त्री श्री जोगेन्द्र खट्टर जी एवं आर्यसमाज सिक्किम के प्रधान श्री जगदीश प्रधान जी। (नीचे) आर्यजनों की उपस्थिति से भरा चिन्तन भवन सभागार।

- शेष पृष्ठ 4-5 पर

## कोरोना से बचाव हेतु आवश्यक सुझाव

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की ओर से आर्यजनों को विश्वव्यापी महामारी कोरोना को रोकने एवं इससे बचाव हेतु कुछ आवश्यक सुझाव एवं निर्देश जारी किए गए हैं। कृपया इनका अवश्य पालन करें।

- शेष पृष्ठ 3 पर

वेद-स्वाध्याय

# हम वेद के अनुसार कर्म करें

**अव्यसश्च व्यचसश्च बिलं वि ष्यामि मायया।**
**ताभ्यामुद्धृत्य वेदमथ कर्माणि कृण्महे।। - अथर्व० 19/68/1**
**ऋषिः ब्रह्मा।। देवता - कर्म।। छन्दः अनुष्टुप्।।**

**शब्दार्थ - अव्यसः** = अव्यापक, सान्त, एकदेशी 'अहं' के च = भी और **व्यचसः** = व्यापक, अनन्त, बाहर फैले हुए 'त्वं' के **च** = भी **बिलम्** = बिल को, भेदभरे रहस्य को **मायया** = अपनी प्रज्ञा द्वारा **विष्यामि** = खोलता हूँ। **ताभ्याम्** = उन दोनों (अव्यसस् और व्यचसस्) द्वारा **वेदम्** = वेद को, वेदज्ञान को **उद्धृत्य** = ऊपर निकालकर, उद्धृत करके **अथ** = उसके बाद, इस तरह वेद को प्राप्त करने के बाद, हे भाइयो! हम **कर्माणि** = कर्मो को, वैदिक कर्मो को **कृण्महे** = करें।

**विनय** - यह ठीक है कि हमें वेद-ज्ञान प्राप्त करके उसी के अनुसार कर्म करने चाहिएँ, परन्तु वेद-ज्ञान को पा लेना कोई आसान काम नहीं है। वेद को तो हमें बड़े गहरे पानी में पैठकर निकालना होगा, उद्धृत करना होगा। जबतक कि हम '**अव्यसम्**' और '**व्यचसस्**' के, सान्त और अनन्त के, अन्दर और बाहर के, '**अहं**' और शेष सब '**त्वं**' के भेद को, रहस्य को पूरी तरह न जान गये हों तब तक 'ज्ञान क्या वस्तु है', 'ज्ञान होने का क्या अर्थ है' इसे ही हम नहीं समझ सकते, किन्तु आज प्रभु-कृपा से मैंने तो '**अव्यसस्**' और '**व्यचसस्**' की घुण्डी को खोल लिया है। अन्दर-बाहर का क्या मतलब है इसे मैंने पा लिया है। सान्त और अनन्त जहाँ पर आकर मिलते हैं उस गुप्त रहस्यस्थान को कपाट खोलकर देख लिया है। मैं देख रहा हूँ कि यह सब-कुछ-यह सब अनन्त ब्रह्माण्ड-मेरी आत्मा में, मुझ अणु में समाया हुआ है और मेरा आत्मा, मेरा अपनापन, मेरा 'अहं' इस सब-कुद को, इस सब ब्रह्माण्ड को, व्याप्त कर रहा है। सुननेवालों को मेरी ये बातें विचित्र लगेंगी, परन्तु मेरी माया, मेरी उच्च प्रज्ञा द्वारा जो मुझे आज साक्षात् अनुभव हो रहा है उस अनुभव को मैं इस भाषा के अतिरिक्त किसी अन्य प्रकार से प्रकट नहीं कर सकता। अरे, वेद-ज्ञान कहीं पुस्तक में नहीं रक्खा है। वेद-ज्ञान तो मेरी आत्मा में प्रकाशित होता है और वेद-ज्ञान नित्य सम्बन्ध से परमात्मा में रहता है। जो ज्ञान इन दोनों द्वारा-इस आत्मा (अव्यसस्) और उस परमात्मा (व्यचसस्) द्वारा-निकलता है, उद्धृत होता है वही असली वेद (ज्ञान) है और उसी के अनुसार कर्म करना वैदिक कर्म करना है, अतः आओ, भाइयो! अब हम इस प्रकार से ही वेद को पाकर अपने कर्मो को किया करें। इस प्रकार जब हम अपने-आपको उस अनन्त से जोड़कर, अपने क्षुद्र शरीर को इस विश्व-ब्रह्माण्ड से मिलाकर, अपनी परिमित इन्द्रियों को बाहर के व्यापक देवों से समस्वर करके जो कर्म किया करेंगे वे ही कर्म[1] वैदिक होंगे, वेदानुसारी होंगे, सच्चे अर्थो में वेदानुसारी होंगे।

**-: साभार :-**
**वैदिक विनय**

**वैदिक विनय : यह पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। अपने ज्ञानवर्धन के लिए आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।**

सम्पादकीय

# नव सम्वत्सर प्रतिपदा एवं आर्यसमाज के 146वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

***....आर्यसमाज की स्थापना करने वाले, संपूर्ण धरा पर प्रेम सुधा बरसाने वाले, स्वयं अपार कष्ट सहकर भी मानव मात्र को वेदामृत पिलाने वाले महर्षि दयानंद सरस्वती जी के करकमलों से स्थापित आर्य समाज का एक ही उद्घोष है "कृण्वन्तो विश्वमार्यम" सारा संसार आर्य बने, चंहु और सुख शांति, समृद्धि के फूल खिलें। सब ईश्वर भक्त, राष्ट्र भक्त, मातृपितृ भक्त बने। ईश्वरीय आज्ञाओं का पालन करें, वैदिक धर्म को अपनाएं, यज्ञ, योग, स्वाध्याय, सत्संग, सेवा, साधना सबके जीवन का आभूषण बने, सब नीरोग हो, स्वस्थ हो, सबका आहार, व्यवहार शुद्ध, सात्विक और पौष्टिक हो, मानवता के सब रक्षक बनें, सबकी मति, गति प्रगति मंगलमय हो। आर्य समाज के स्थापना दिवस पर नव सम्वत्सर की शुभकामनाओं के साथ हम ईश्वर से यही प्रार्थना करते हैं।.....***

नव सम्वतसर प्रतिपदा और विश्व व्यापी आर्य समाज का 146वां स्थापना दिवस हमारे सामने है। संपूर्ण विश्व के आर्यजन, उमंग, उत्साह और उल्लास से भावविभोर हैंऔर क्यों न हों? यह अवसर ही ऐसा है जिस पर सबको परस्पर खुशियां बांटनी ही चाहिए। प्रेम प्रसन्नता पूर्वक एक-दूसरे को बधाई भी देनी चाहिए। लेकिन आर्य समाज की स्थापना केवल आर्य समाज के लिए ही महोत्सव नहीं है यह तो संपूर्ण मानव समाज के ऊपर महर्षि दयानंद सरस्वती जी का उपकार है। इसे भारत और विश्व के नर-नारियों को मनाना चाहिए। आर्य समाज के नियमों, सिद्धांतों और मान्यताओं में मानव मात्र के कल्याण की भावना और कामना समाहित है। संसार का उपकार करना इस समाज का मुख्य उद्देश्य है। ऐसी महान सार्वभौमिक कामना केवल आर्य समाज ही करता है। वरना तो धरती पर ज्यादातर लोग अपने लिए और अपनों के लिए ही जीवन बसर करते हैं। उनकी प्रार्थना भी सीमित होती है।

आर्य का मतलब श्रेष्ठ और समाज का मतलब समूह अर्थात् श्रेष्ठजनों का समूह ही तो आर्य समाज है। ऐसे श्रेष्ठ समाज की स्थापना करने वाले, संपूर्ण धरा पर प्रेम सुधा बरसाने वाले, स्वयं अपार कष्ट सहकर भी मानव मात्र को वेदामृत पिलाने वाले महर्षि दयानंद सरस्वती जी के करकमलों से स्थापित आर्य समाज का एक ही उद्घोष है "कृण्वन्तो विश्वमार्यम" सारा संसार आर्य बने, चंहु और सुख शांति, समृद्धि के फूल खिलें। सब ईश्वर भक्त, राष्ट्र भक्त, मातृपितृ भक्त बने। ईश्वरीय आज्ञाओं का पालन करें, वैदिक धर्म को अपनाएं, यज्ञ, योग, स्वाध्याय, सत्संग, सेवा, साधना सबके जीवन का आभूषण बनें, सब नीरोग हों, स्वस्थ हों, सबका आहार, व्यवहार शुद्ध, सात्विक और पौष्टिक हो, मानवता के सब रक्षक बनें, सबकी मति, गति प्रगति मंगलमय हो। आर्य समाज के स्थापना दिवस पर नव सम्वत्सर की शुभकामनाओं के साथ हम ईश्वर से यही प्रार्थना करते हैं।

इस अवसर पर जहां हम एक तरफ नवसम्वतसर प्रतिपदा का स्वागत कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर सम्वतस्तर 2076 की विदाई भी हो रही है। इसका मतलब यह नहीं है कि हम पुराने को भूल जाएं, बल्कि पुराने प्रेरक अतीत को सहेज कर नए का स्वागत करें, क्योंकि काल का प्रवाह अंनत काल से प्रवाहित होता आ रहा है। नव सम्वतसर के साथ हमारा बहुत प्रेरणाप्रद इतिहास जुड़ा है।सृष्टि सम्वत का शुभारंभ आज के दिन ही हुआ था, मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम जी के राज्याभिषेक की तिथि भी यही थी,आर्य समाज की स्थापना ऋषि दयानंद जी ने आज के दिन ही की थी, शकारि विकमादित्य ने अपनी मातृभूमि को शत्रुओं से मुक्त कराकर विजयोत्सव विक्रम सम्वत का शुभारंभ भी आज के दिन ही किया था। यह अलग बात है कि नव सम्वतसर को भारत में कुछ प्रांतों के लोग चेती चांद,उगाड़ी, गुड़ी पड़वा के रूप में भी मनाते हैं। लेकिन हमें यह अवश्य ध्यान में रखना चाहिए कि चाहे हम कितने भी नए-नए तरीकों क्यों न अपना लें,कितने भी मार्डन जमाने के क्यों न बन जाएं, लेकिन जो पुरानी कहावत है ना कि 'नया नौ दिन-पुराना सौ दिन', मतलब अपनी प्रचीन अर्वाचीन वैदिक परंपराओं को भुलाकर हम उन्नति-प्रगति और सफलताओं को प्राप्त नहीं कर सकते। इसका मतलब यह भी नहीं है कि हम बदलते परिवेश के साथ कदम से कदम मिलाकर न चलें, सबके साथ चलें, आगे बढ़ें, खूब उन्नति-प्रगति करें, आधुनिक तकनीकी का भी प्रयोग करें। ऋषि देव दयानंद ने स्वयं ऋग्वेदादिभाष्य भूमिका में विमान से लेकर समस्त आधुनिक तकनीकी का वैदिक सिद्धांतों के अनुसार चित्रण किया है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम अपनी संस्कृति, सभ्यता और संस्कारों को भूल जाएं। अपने पुराने वैदिक सिद्धांतों और संस्कारों तथा मान्यताओं के अनुरूप चलते हुए ही मानव समाज का कल्याण संभव है।

आधुनिक परिवेश में नई जनरेशन अपने नव सम्वतसर को भूलकर 01 जनवरी को नव वर्ष के रूप में मनाने को कभी नहीं भूलती, जबकि वह हमारा नव वर्ष होता ही नहीं। लेकिन हम फैंशन के नाम पर हुड़दंग और मौज मस्ती को नया वर्ष मान लेते है। यह एक विकृत मानसिकता और पाश्चात्य संस्कृति का अंधा अनुकरण है। हम यह भी नहीं सोचते कि नया क्या होता है। आईए नव सम्वतसर प्रतिपदा पर कुछ नई योजनाएं, नई घोषणाएं, नई आकांशाएं, नई आशाएं, नई आपेक्षाएं अपने भीतर उत्पन्न करें। क्योकि नया पन सबको पसन्द है। हमारा मन नित नई-नई कल्पनाएं करता है। प्रकृति नित नए रूप में हमारे सामने होती हैं। सूर्य की किरणें हर दिन नई होती है। बहता हुआ जल हमेशा नया रहता है। फूल-पते, पेड़-पौधे हमेशा नए रूप में हमारे सामने आते हैं। इसलिए हम भी नई सोच, नई खोज, नया चिंतन करते हुए अपनी प्राचीन मान्यताओं और सिद्धांतों को समझ कर आगे बढ़ें। वरना दिखावें का नया पन कभी भी जीवन में नवीनता नहीं लाएगा।

इस वर्ष भारत सहित विश्व के सामने एक नई समस्या (कोरोना वायरस) के रूप में चुनौती बनकर हमारे सामने है। यह भी कहीं न कहीं आधुनिक परिवेश में बदलते आहार, व्यवहार का ही परिणाम है। क्योंकि जो खाद्य पदार्थ समाज प्रयोग कर रहा है वह मनुष्य के लिए है ही नहीं लेकिन यहां पर हम उनका वर्णन न करते हुए केवल यह आवश्य विचार करें कि कोई भी समस्या जब हमारे सामने आती है तो उसका हमें मिलकर सामना करना चाहिए। इसी कारण हमने होली का पर्व जो दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा हर वर्ष बड़े ही उत्साहपूर्वक मनाया जाता है, उसको स्थगित किया और अब जबकि हर वर्ष की तरह नव सम्वतसर प्रतिपदा एवं आर्य समाज के 146वें स्थापना दिवस का आयोजन हम बड़ें स्तर पर धूमधाम से करने वाले थे, उसे भी स्थगित करना पड़ रहा है। लेकिन इन सबके बीच एक बहुत बड़ी खुशी की बात यह भी है कि हमने आर्य समाज के 146वें स्थापना दिवस से 11 दिन पूर्व 14 मार्च को सिक्किम राज्य में एक नए आर्य समाज की स्थापना की है। अतः हमें नित नए सेवा कार्यो के साथ आर्य समाज के प्रचार-प्रसार को आगे बढ़ाना चाहिए। महर्षि दयानंद सरस्वती जी को नमन करते हुए समस्त आर्य जनों को नव सम्वतसर प्रतिपदा एवं आर्य समाज के स्थापना दिवस की मंगलमय शुभकामनाएं। नव वर्ष सबके लिए मंगलमय हो।

***- सम्पादक***

# अमर शहीदों को शत्-शत् नमन

हर वर्ष मार्च का महीना हमारे अमर बलिदानियों की गौरव गाथा को स्मरण करने और उन्हें नमन करने का अवसर साथ लेकर आता है। यही वह महीना है जिसमें आर्य जगत के **प्रेरणापुंज पंडित लेखराम जी (आर्य मुसाफिर)** जिन्होंने आर्य समाज के प्रचार-प्रसार और विस्तार के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था। एक ऐसे महापुरुष जिन्होंने महर्षि दयानंद सरस्वती जी की शिक्षाओं और संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अथक परिश्रम और पुरुषार्थ किया। वे जिए तो आर्य समाज के लिए और शहीद हुए तो मानवता की सेवा करते-करते। लेखराम तृतीया इस वर्ष 26 फरवरी 2020, रोमन तारीख के अनुसार 3 मार्च सन् 1897 को ईद के दिन शुद्धि कराने के बहाने से षडयंत्रकर्ताओं द्वारा लाहौर में उनकी धोखे से हत्या कर दी थी। आर्य जगत के ऐसे अनोखे पंडित लेखराम जी को शत-शत, कोटिश: नमन, जिन्होंने अपने जीवन का हर पल-हर क्षण मानव सेवा को समर्पित किया। आर्य जनों के लिए पंडित लेखराम के प्रमुख संदेशों में से एक प्रेरणा यह भी है कि आर्य समाज से तहरीर और तकरीर का कार्य कभी बंद नहीं होना चाहिए। मतलब लेखन और शास्त्रार्थ आर्य समाज के प्रमुख अस्त्र-शस्त्र है। इनका प्रयोग हमेशा किया जाना चाहिए। पंडित जी की इस प्रेरणा को स्वीकार करते हुए उन्हें नमन करना हम सभी का कर्त्तव्य भी है और आधुनिक परिवेश में समाज की आवश्यकता भी है।

कोई भी व्यक्ति आयु से बड़ा नहीं होता। बड़ी होती है उसकी निष्ठा, उसके कर्म और उसके द्वारा की गई मानव सेवा। 26 अप्रैल 1864 को वीर सरदाना कुल में जन्में महर्षि दयानंद सरस्वती के अनन्य शिष्य और प्रेरक व्यक्तित्व के स्वामी **आर्य जगत के महान नेता पंडित गुरुदत्त विद्यार्थी** केवल 26 वर्ष के छोटे कालखंड तक ही जीवित रहे। लेकिन इस छोटी सी अवधि में उन्होंने जो सेवा का कार्य किया वह मानव मात्र के लिए प्रेरणाप्रद है। आपने महर्षि दयानंद जी की प्रेरणा से प्रेरित होकर 20 जून 1980 को 16 वर्ष की अवस्था में आर्य समाज की सदस्यता ग्रहण की। महात्मा हंसराज और लाला लाजपतराय की संगति में (दा रीजनरेटर आफ आर्यावर्त) को संपादित किया। 1884 में 20 वर्ष की अवस्था में आपने(आर्य समाज साईंस इंस्टीटूयशन) की स्थापना की। महर्षि दयानंद सरस्वती जी के 1883 में अंतिम दर्शन कर आपकी जीवन धारा पूरी तरह से बदल गई। डी. ए.वी. जैसी विश्व विख्यात संस्था के आप आधार स्तंभ बने। भारत में साईस के सीनियर प्रोफेसर के रूप में आपकी विश्व में प्रथम नियुक्ति सिद्ध हुई। आपका विशिष्ट लेखन और अनुवादक के रूप में एक उच्च स्थान था। वेद और संस्कृत को प्यार करने वाले महर्षि के अमर ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश के प्रति आपकी निष्ठा और प्रेरणा स्तुत्य है। 19 मार्च 1890 को आप राष्ट्र एवं मानव सेवा को समर्पित आर्य समाज की सेवा करते-करते प्रस्थान कर गए। आर्य समाज का कोई भी विशेष कार्यक्रम हो तो पंडित गुरुदत्त विद्यार्थी को याद करने की जरूरत नहीं होती वे स्वयं ही सबकी आंखों के सामने एक महान प्रणेता के रूप में नजर आते हैं। ऐसे महान पंडित गुरुदत्त विद्यार्थी को शत-शत नमन।

मार्च के महीने में भारत के इतिहास में शहीदों की अमर गाथा का गौरवगान यहीं पर समाप्त नहीं होता। इस महान अनुक्रम में 23 मार्च 1931 का दिन कौन भूल सकता है? जब **अमर शहीद सरदार भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव** तीन भारत मां के लाल लाहौर सेंटर जेल में फांसी पर लटका दिए गए थे। यही वे रणबाकुरें थे जिन्होंने भारत माता की आजादी के लिए अंग्रेजी हुकम्मत के दांत खट्टे कर दिए थे। उस समय के केंद्रीय संसद में बम फेंककर अंग्रेजों के मनोबल को हिलाने वाले सरदार भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को हर वर्ष पूरा भारत श्रद्धा से याद करता है, ऐसे महान वीर बलिदानियों से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए क्योंकि प्रेरणा ही वह शक्ति है जिससे वीरता का जन्म होता है और वीरता जीवित रहती है।

**प्रेरणा नहीं लेंगे शहीदों से,**
**तो आजादी ढ़लती हुई सांझ हो जाएगी**
**प्रेरणा नहीं लेंगे शहीदों से,**
**तो आजादी सचमुच बांझ हो जाएगी**

दिल्ली की समस्त आर्य समाजों एवं शिक्षण संस्थाओं की ओर से दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा अपने महान वीर बलिदानियों को शत-शत नमन करती है।

***- सम्पादक***

# विश्व ने अपनाया वैदिक अभिवादन नमस्ते

**भारत सरकार एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्देशित नियमों का पालन करें**
**स्वयं स्वस्थ रहें और देश को स्वस्थ रखने में सहयोगी बनें - सम्पादक**

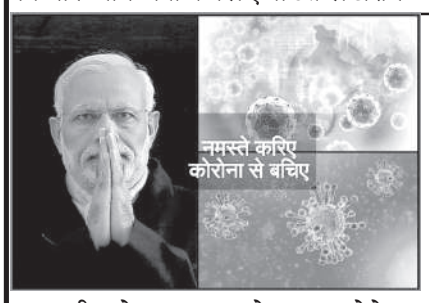


चीन के वुहान शहर से उत्पन्न कोरोना वायरस विश्व के लगभग 150 देशों में पैर फैला चुका है। यह एक ऐसी आपदा है जिसे विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी महामारी घोषित कर दिया है। कोरोना से अब तक लगभग 5000 लोग मृत्यु के शिकार हो गए है। जबकि लगभग 100000 से ज्यादा लोग इस जानलेवा वायरस से सक्रंमित बताए जा रहे हैं। इस खतरनाक स्थिति को देखते हुए संसार में चारों तरफ तनाव और भय का वातावरण व्याप्त है। कोरोना के जानलेवा वायरस से बचने के लिए सभी देशों में इसकी रोकथाम और उपचार की खोजें जारी हैं।

इससे बचने के जो उपाय विश्व स्तर पर बताए जा रहे हैं उनमें सबसे प्रभावी और महत्वपूर्ण उपाय है वैदिक अभिवादन -नमस्ते। नमस्ते का अभिवादन विश्व को आर्य समाज की ही देन है जिसे आज चाहे कोरोना के डर से ही सही लेकिन संपूर्ण विश्व के साधारण और असाधारण लोगों द्वारा अपनाया जा रहा है। 7 मार्च को भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने नमस्ते अभिवादन को अपनाने की अपील करते हुए कहा कि यह हमारी संस्कृति का आदर्श अभिवादन है। अत: हाथ मिलाना और गले मिलने की आदत को छोड़कर नमस्ते करना शुरू करें। इस क्रम में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने अपने भारत दौर पर नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए नमस्ते को स्वयं अपनाया और सबसे नमस्ते को अपनाने की बात कही। इस क्रम में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंज्येमन नेत्यनाहू जी ने सभी से हाए हैलो को छोड़कर भारत के पारंपरिक नमस्ते को अपनाने की अपील की। आयरलैंड के प्रधानमंत्री ल्यु वरकाटकर ने भी वाशिंगटन में अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप को नमस्ते ही किया। यह तो कुछ विश्वस्तरीय नमस्ते अभिवादन की चुनीदा जानकारियां है। लेकिन यह कहना कोई अतिशोक्ति नहीं होगा कि नमस्ते ही सबसे प्रमाणिक वैदिक अभिवादन है। इसलिए आधुनिक परिवेश में चाहें कितने भी अभिवादन के तौर तरीके प्रचलित हैं लेकिन सबसे ऊपर नमस्ते ही है और रहेगा। नमस्ते को अपनाएं और कोरोना से बचें।

**कोरोना वायरस के प्रभाव को रोकने एवं बचाव हेतु सुझाव एवं निर्देश**
**आर्य जगत के विद्वान, संन्यासियों, कार्यकर्ताओं, प्रचारकों से विशेष निवेदन**

- ★ अपनी आवाजाही पर नियन्त्रण रखें। अपने साथ सैनेटाइजर रखें एवं मास्क का प्रयोग करें।
- ★ आर्यजन चार-चार के के समूहों में यज्ञ करें
- ★ परिवारों में औषधी युक्त हवन सामग्री से यज्ञ करें।
- ★ नमस्ते करें - हाथ मिलाने की आदत को तिलांजलि दें।
- ★ अपने आस-पास और घरों में सफाई का विशेष ध्यान दें।
- ★ अपने हर कार्य के उपरान्त साबुन से हाथ अवश्य धोएं।
- ★ सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के निर्णय के अनुसार आगामी 15 अप्रैल तक समस्त आर्य संस्थान अपने बड़े आयोजन स्थगित रखें।
- ★ अपने आस-पास के लोगों का ध्यान रखें कि कोई अस्वस्थ व्यक्ति न हो।
- ★ यदि हो तो उसे अस्पताल या डॉक्टरों के पास जाने के लिए प्रेरित करें।

***- प्रकाश आर्य, मन्त्री, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा***

**आर्य सन्देश पत्र के स्वामित्व आदि सम्बन्धी विवरण**
**फार्म 4 नियम 8**
**(प्रेस एण्ड रजिस्ट्रेशन ऑफ बुक एक्ट)**

| | | |
|---|---|---|
| **प्रकाशक का नाम** | : | दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली - 110001 |
| **प्रकाशक की अवधि** | : | साप्ताहिक |
| **प्रकाशक का समय** | : | प्रति बृहस्पतिवार एवं शुक्रवार |
| **प्रकाशक का नाम** | : | धर्मपाल आर्य |
| **क्या भारत का नागरिक है** | : | हाँ |
| **मुद्रक का पता** | : | दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15- हनुमान रोड,नई दिल्ली- 110001 |
| **क्या भारत का नागरिक है** | : | हाँ |
| **प्रकाशक का पता** | : | पूर्ववत् |
| **सम्पादक का नाम** | : | धर्मपाल आर्य |
| **क्या भारत का नागरिक है** | : | हाँ |
| **सम्पादक का पता** | : | पूर्ववत् |
| **उन व्यक्तियों के नाम पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा समस्त पूंजी के 1% से अधिक के साझेदार/हिस्सेदार हों** | : | दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली -110001 |

मैं धर्मपाल आर्य इस लेख पत्र के द्वारा घोषणा करता हूं कि उपर्युक्त विवरण जहां तक मेरा ज्ञान और विश्वास है, सही है।

***- धर्मपाल आर्य, प्रकाशक एवं मुद्रक***

प्रथम पृष्ठ का शेष

## आर्यों की भूमि सिक्किम में दशकों बाद आर्यसमाज के नए ....

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री सुरेश चंद्र आर्य जी, मंत्री श्री प्रकाश आर्य जी, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी, महामंत्री श्री विनय आर्य जी, आर्य केंद्रीय सभा के महामंत्री श्री सतीश चड्डा जी, मन्त्री श्री एस. पी. सिंह, कोषाध्यक्ष श्री अरुण प्रकाश वर्मा, अखिल भारतीय दयानंद सेवाश्रम संघ के महामंत्री श्री जोगेंद्र खट्टर जी, आचार्य चिन्तामणी एवं आचार्य सरस्वती जी और अन्य अनेक सम्मानित अधिकारियों, कार्यकर्त्ताओं, सदस्यों की उपस्थिति में आर्य समाज गंगटोक के नए भवन का शिलान्यास किया गया। आर्य समाज गंगटोक का यह स्थान ओम ध्वजा से पूर्ण रूप से सजा हुआ था। स्थानीय एवं बाहरी आर्यजनों का उत्साह देखते ही बनता था। ध्वजारोहण के साथ प्रात: काल 10 बजे वैदिक विद्वानों के ब्रह्मत्व में यज्ञ के साथ कार्यक्रम का आरंभ हुआ जिसमें सिक्किम राज्य के महामहिम राज्यपाल श्री गंगाप्रसाद जी एवं राज्य के मुख्यमंत्री प्रेमसिंह तमांग जी तथा आर्य केंद्रीय सभा, दिल्ली व आर्य प्रतिनिधि सभा, सार्वदेशिक सभा समेत सिक्किम आर्य समाज के अधिकारियों, सदस्यों छात्र-छात्राओं ने अत्यंत श्रद्धापूर्वक भाग लिया।

### महाशय धर्मपाल सेवा संस्थान का राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने किया शिलान्यास

यज्ञ के उपरांत महाशय जी के नेतृत्व में वेद मंत्रों के उच्चारण और वैदिक जयघोष के बीच ध्वजारोहण एवं शिलान्यास कार्यक्रम का आरम्भ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में सिक्किम के राज्यपाल, मुख्यमंत्री उपस्थित थे। इस अवसर पर सेवा संस्थान को अपनी शुभकामना देते हुए राज्यपाल गंगा प्रसाद जी ने कहा आर्य समाज जहाँ पर है वहां आर्य समाज ने पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य किया। ऐसे प्राकृतिक वातावरण के बीच सिक्किम राज्य के होनहार मेधावी एवं निर्धन बच्चों की शिक्षा के लिए खोला गया यह संस्थान मानवता की भलाई में एक अनूठी मिसाल बनेगा। इसका शिलान्यास करके मुझे अपार हर्ष हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री प्रेमसिंह तमांग ने सार्वदेशिक सभा के प्रधान श्री सुरेशचन्द्र आर्य, दिल्ली सभा के प्रधान धर्मपाल जी समेत सभी महानुभावों ने महाशय जी को बधाई देते हुए कहा कि अभी तो ये आरम्भ है। हम आगे भी हर संभव मदद करते रहेंगे। इस अवसर पर महाशय जी ने अपनी अपार प्रसन्नता प्रकट करते हुए सभी को अपना आशीर्वाद दिया। इसके उपरांत सभी आर्यजन भोजन एवं कार्यक्रम के अगले चरण के लिए चिंतन भवन रवाना हुए।

### महामहिम राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री का आभार - विनय आर्य

शिलान्यास की नींव रखने के उपरांत सभी आर्यजन गंगटोक के नामनांग स्थित चिन्तन भवन पहुंचे। दोपहर के भोजन के पश्चात कार्यक्रम को असली जामा पहनाया गया। सुंदर व्यवस्थित भवन के अन्दर सभी लोग अपनी-अपनी जगह विराजमान हुए। विनय आर्य जी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए पूर्वोत्तर भारत समेत बंगाल आर्य समाज सिलीगुड़ी तथा दिल्ली से भाग लेने वाले सभी आर्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए हुए कहा कि सिक्किम राज्य के राज्यपाल श्री गंगा प्रसाद जी इस एतिहासिक कार्य के लिए आर्य समाज के इतिहास में हमेशा जाने जायेंगे। हमने कुछ दिन पहले गंगटोक में आर्य समाज के लिए भूमि की मांग की थी, जिसे उन्होंने बेहद अल्प समय में न केवल पूरा किया बल्कि आवंटित भूमि के कागज भी हमें सौंप दिए। आज सिक्किम की धरा पर जो नया अध्याय जुड़ा यह राज्यपाल जी और मुख्यमंत्री जी की संयुक्त भावना का गठजोड़ है। इस अवसर पर पूर्वोत्तर राज्य समेत पक्चिम बंगाल एवं नेपाल के बच्चों ने देशभक्ति तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। महामहिम राज्यपाल एवं सिक्किम मुख्यमंत्री का स्वागत मंच पर आगमन बेंडवादन की धुन पर राष्ट्रगान हुआ।

### वेदों की ओर लौटकर ही आगे बढ़ेगा संसार - प्रकाश आर्य

इसके उपरान्त मंच पर स्वागत भाषण के लिए वैदिक चिन्तक, कवि, प्रखर वक्ता, वरिष्ठ वकील सार्वदेशिक सभा के मंत्री प्रकाश आर्य जी ने अपने स्वागत उद्बोधन का आरम्भ करते हुए कहा कि दुनिया ने कहा आगे बढो लेकिन स्वामी का चिंतन बेहद दूरदर्शी था। स्वामी जी ने कहा कि पहले वेदों की ओर लौटो फिर आगे बढो। क्योंकि इसी रास्ते से योगिराज श्रीकृष्ण और मर्यादा पुरुषोत्तम राम चन्द्र जी उन्नति के शिखर पर पहुंचे थे। उन्होंने स्वामी के चिंतन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वामी का चिंतन वेद पर आधारित था और यही चिंतन आर्य समाज के रूप में विश्व भर में फैला। आज सिक्किम में राज्यपाल और मुख्यमंत्री और इनके मंत्रिमंडल में वेद एवं आर्य समाज का चिंतन दिखाई पड़ रहा है इस कारण सिक्किम के इतिहास में एक और नया अध्याय जुड़ गया, जिसकी सिक्किम को महती आवश्यकता थी। नेपाली बच्चों द्वारा वेद मंत्रो उच्चारण सभी उपस्थित महानुभावों के लिए विशेष आकर्षण सिद्ध हुआ। उपस्थित जनसमूह की करतल ध्वनि से पूरा चिंतन भवन गूंज उठा। इसके पश्चात बच्चों द्वारा नेपाली भाषा में आर्य समाज का चिंतन प्रकट किया गया तथा साथ ही वेद का मनोरम सन्देश दिया।

### वैदिक विचार स्वामी दयानंद जी की देन - स्वामी संपूर्णानन्द

आर्य समाज के प्रसिद्ध विद्वान स्वामी सम्पूर्णानन्द ने वैदिक उद्घोष करते हुए कहा कि दुनिया की सबसे ताकतवर हथियार विचार होता है। स्वामी दयानन्द जी के दिए विचार के कारण देश आजाद हुआ। उनके विचार का ही बल था कि सैंकड़ों लोग देश की स्वतंत्रता में आहूत हो गये। विश्व को वेद का सन्देश दिया। आज उनकी वैदिक विचारधारा हम सभी को सिक्किम ले आई। उन्होंने कई मिसाल देते हुए सिक्किम के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को सादगी एवं सरलता की प्रतिमूर्ति बताते हुए कहा कि सिक्किम में जली यह वेद की ज्योति एक दिन विश्व को जगमग करेगी तथा सिक्किम का आर्य समाज तीन महानुभावों राज्यपाल महामहिम श्री गंगाप्रसाद जी, मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और आदर्शो के धनी महाशय धर्मपाल जी को हमेशा स्मरण करेगा।

### सिक्किम और विश्व के लिए मील का पत्थर सिद्ध होगा यह सेवा संस्थान - सुरेशचन्द्र आर्य

आर्य समाज द्वारा दुनिया की 10 हजार से अधिक संस्थाओं के यशस्वी प्रधान सुरेशचन्द्र जी आर्य मंच की ओर बढे। कार्यक्रम में उपस्थित समस्त लोगों द्वारा उनका करतल ध्वनि से स्वागत किया। सौम्यता की जीवित प्रतिमूर्ति सुरेशचन्द्र जी आर्य ने वैदिक ध्वनि से अपने उदबोधन का आरम्भ करते हुए सभी के प्रति अपना आभार अभिनन्दन प्रकट करते हुए कहा कि आर्य समाज जहाँ भी गया वहां से अंधकार मिटाकर प्रकाश किया। भविष्य में इस संस्थान की नीव आर्य समाज और सिक्किम के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी। इस संस्थान से सभी का कल्याण होगा और जल्द ही यह संस्था सिक्किम के बच्चों को सामाजिक, बौद्धिक, नैतिक आध्यात्मिक संस्कार देते हुए शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाएगी। हमारे देश की प्रतिभा देश के लिए कार्य करेगी तभी इससे सभी का कल्याण होगा। उन्होंने अपने अभिभाषण के दौरान राज्यपाल श्री गंगाप्रसाद जी, मुख्यमंत्री प्रेमसिंह समेत सभी दानदाताओं तथा उपस्थित आर्यजनों का आभार व्यक्त करते हुए आगे कहा कि आज परमपिता परमात्मा ने यहाँ आने का अवसर दिया। सिक्किम के लोगों के लिए उनके कल्याण के लिए स्वामी के दिखाए रास्ते से हमेशा आर्य समाज कार्य करता रहेगा।

### सिक्किम में आर्य समाज आशा की नई किरण - प्रेम सिंह तमांग

यूँ तो सिक्किम राज्य में अंग्रेजी, नेपाली, लिम्बू लेप्चा कई भाषाओँ का मूल संगम है। लेकिन जब वहां के मुख्यमंत्री श्री प्रेमसिंह जी ने हिंदी में अपना भाषण शुरू किया तो खचाखच भरा चिंतन भवन तालियों की गडगडाहट से गूंज उठा। हालाँकि उनका हिंदी में यह दूसरा भाषण था लेकिन जब वह बोले तो सभी हिंदीभाषियों का मन मोह लिया। उन्होंने अपने भाषण में महाशय जी और आर्य समाज से जुड़े लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पद्मभूषण आदरणीय महाशय जी का सिक्किम की धरा पर स्वागत है। इस हिमालयी राज्य में सब कुछ था यदि कुछ कमी थी तो सिर्फ आर्य समाज की जो आज पूरी हो गयी। मेरी ओर से आर्य समाज का स्वागत है क्योंकि आर्य समाज एक ऐसी संस्था है जो मनुष्य को पूर्ण विकसित करने की हिम्मत रखती है और शुद्ध आचरण को बढ़ावा देती है। उन्होंने आगे कहा कि हमें सोचना होगा कि एक समय हमारे देश का नाम आर्यावर्त था और सौभाग्यशाली जाति और मनुष्य ही इस देश में जन्म लेते रहे हैं। हम सभी को गर्व करना चाहिए कि हम सब भारतीय हैं।

मुख्यमंत्री श्री प्रेम सिंह तमांग ने अपने उदबोधन में वैदिक दर्शन के मूल्यों से परिचित कराते हुए कहा कि एकता, अखंडता और भाईचारे को आगे बढ़ाने की एकमात्र परम्परा यज्ञ है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि पंचतत्व में एक तत्व अग्नि भी है, उसीका रूप यज्ञ है जो समस्त महामारियों को समाप्त कर देता है। उन्होंने अपने राजनितिक विरोधियों पर हमला करते हुए सभी को बताया कि पिछली 25 साल की सरकार ने आर्य समाज को कोई भवन नहीं दिया लेकिन हमारी दस महीने की सरकार ने आज महाशय जी के आशीर्वाद से सिक्किम में आर्य समाज को खड़ा कर दिया। पिछली सरकार ने 25 साल में सिर्फ 27 संस्कृत अध्यापक दिए लेकिन हमने 6 माह में 170 संस्कृत अध्यापकों को नियुक्त किया ताकि हमारी वैदिक संस्कृति का तेजी से बच्चों के मन में फैलाव हो। मुख्यमंत्री ने आर्य समाज के अतीत और वर्तमान के कार्यों को विस्तारपूर्वक बताते हुए कहा कि आर्य समाज की संस्था ही देश और सिक्किम को आगे ले जा सकती है क्योंकि वेद सबके लिए है और वेद में सब कुछ है। अब हमारी सरकार जल्द ही गुरुकुल पद्धति से शिक्षण कार्य आरम्भ करने जा रही है। उन्होंने इस ऐतिहासिक कार्य के लिए सिक्किम के राज्यपाल श्री गंगाप्रसाद जी का आभार व्यक्त करते हुए आगे कहा कि 6 दशक पहले सिक्किम में आर्य समाज आया था लेकिन आज राज्यपाल श्री गंगाप्रसाद जी की बदौलत सिक्किम में एक आशा की नई ज्योति जल गयी। हमें उम्मीद है कि महर्षि दयानन्द छात्रावास एवं महाशय धर्मपाल सेवा संस्थान पूर्वोत्तर राज्यों में आर्य समाज के द्वार खोलने के साथ ही सिक्किम को एक आदर्श प्रदेश की ओर ले जायेगा। हमारे बच्चें संस्कार और शिक्षा के धनी होंगे। मुख्यमंत्री ने हिंदी भाषा को लेकर भी अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हिन्दी भाषा ही देश को एकता और अखंडता के सूत्र में बांध सकती है। सिक्किम की धरती पर सभी आर्यजनों का स्वागत है, आकर प्रदेश के लिए कार्य करें तथा सिक्किम को सांस्कृतिक रूप से और अधिक समृद्ध किया जा सके।

### स्वामीजी के सपने की एक कड़ी हुई साकार - गंगाप्रसाद

जैसे ही महामहिम श्री गंगाप्रसाद जी अपने भाषण के लिए खड़े हुए। सभी ने खड़े होकर उनका स्वागत किया। सादा-सरल जीवन और धार्मिक-सामाजिक मनोभाव के लिए गंगाप्रसाद जी ने "कृण्वंतो विश्वमार्यम" को स्मरण कराते हुए आर्य समाज के नियमों का हवाला देते हुए कहा आर्य समाज दूसरे की उन्नति में हमेशा अपनी उन्नति समझता आया है। अब नि:संदेह सिक्किम में आर्य समाज का आना इसे एक नई ऊंचाई प्रदान करेगा। उन्होंने अपनी सादगी और सरलता और आर्य समाज के प्रति निष्ठा को दर्शाते हुए कहा कि मेरा अनुरोध है बाहर स्टाल पर सत्यार्थ प्रकाश आदि आर्ष ग्रन्थ हैं, सभी को कोई ना कोई पुस्तक खरीदकर अवश्य ले जानी चाहिए। आर्य समाज और इन ग्रंथों से अज्ञानता दूर होगी और वास्तविकता का प्रचार होगा।

- जारी पृष्ठ 5 पर

प्रथम पृष्ठ का शेष

सिक्किम में आर्यसमाज को प्राप्त भूमि पर छात्रावास का शिलान्यास एवं वर्तमान भवन के साथ लिया गया सामूहिक चित्र।

उद्‌बोधन देते पद्‌मभूषण महाशय धर्मपाल जी, श्री सुरेशचन्द्र आर्य जी, श्री प्रकाश आर्य जी, स्वामी सम्पूर्णानन्द जी, श्री जोगेन्द्र खट्‌टर जी एवं श्री श्री शत्रुघ्न शर्मा जी

सम्मान : महामहिम राज्यपाल श्री गंगा प्रसाद जी, पद्‌मभूषण महाशय धर्मपाल जी, मुख्यमन्त्री श्री प्रेम सिंह तमांग जी को सम्मानित करते दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी, अखिल भारतीय दयानन्द सेवाश्रम संघ के महामन्त्री श्री जोगेन्द्र खट्‌टर जी, सार्वदेशिक सभा के प्रधान श्री सुरेशचन्द्र आर्य जी एवं मन्त्री श्री प्रकाश आर्य जी।

सम्मान : सिक्कम राज्य के पर्यटन मन्त्री श्री बी. एस. पंत, श्रीमती वीना आर्या जी एवं महाशय जी की सुपुत्री श्रीमती मीनाक्षी महाजन जी को सम्मानित करते राज्यपाल श्री गंगा प्रसाद जी एवं मुख्यमन्त्री प्रेमसिंह तमांग जी।

मंच संचालन करते दिल्ली सभा के महामन्त्री श्री विनय आर्य जी एवं आर्य केन्द्रीय सभा के मन्त्री श्री सतीश चड्‌डा जी।

सांस्कृतिक कार्यक्रम : सामगान करते आर्य कन्या गुरुकुल सैनिक विहार की छात्राएं। आर्य गुरुकुल रानी बाग के छात्रों एवं आर्य कन्या गुरुकुल सैनिक विहार की प्रस्तुति। बोकाजान (नागालैंड) के कन्या छात्रावास की प्रस्तुति। नेपाल से पधारे बच्चों की प्रस्तुति।

भारतीय संस्कृति धर्म एवं सामाजिक रूप से संपन्न करने का कार्य करेगी। उन्होंने सभी आर्यजनों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में विनय आर्य द्वारा इस कार्यक्रम के लिए राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं संस्था के सभी पदाधिकारियों समेत सभी को बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री विनय आर्य ने किया। इस अवसर पर सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान सुरेशचन्द्र आर्य, मंत्री प्रकाश आर्य, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा प्रधान धर्मपाल आर्य अखिल भारतीय दयानंद सेवाश्रम संघ के महामंत्री जोगेंद्र खट्टर, आर्य केन्द्रीय सभा दिल्ली राज्य के महामंत्री सतीश चड्ढा, श्री अरुण वर्मा, श्रीमती बीना आर्या एवं सिक्किम आर्य समाज की ओर से मेघनाथ उप्रेती, रुपनारायण शिवाकोटी, पदमलाल बतोला, आर्य समाज गंगटोक के प्रधान जगदीश जी समेत डी.ए.वी. सिलीगुड़ी, आर्य गुरुकुल वीरपाड़ा, पश्चिम बंगाल, झारखण्ड, असम नागालैंड के कार्यकर्ता, छात्र छात्राएं शिक्षक संन्यासी तथा स्थानीय महानुभाव उपस्थित रहे। महाशय धर्मपाल जी ने सभी आर्यजनों को आगे बढ़कर आर्य समाज के कार्यों को करने की प्रेरणा दी और आशीर्वाद दिया। सभी ने मिलकर शांति पाठ किया और राष्ट्रगान की धुन पर कार्यक्रम का सुन्दर समापन हुआ।

Continue from last issue

# Maharish Dayanand Saraswati's Beliefs

**-The wise do not swerv e from the path of rectitude, 1 caring neither for the praise or blame of the so called politicians, nor for riches or poverty, although they were to die in a day or after the lapse of a *millennium.- Bhartri Hari.***

न जातु कामान्न भयान्न लोभाद्,
धर्म त्यजेज्जीवितस्यापि हेतोः।
धर्मो नित्यः सुखदुःखे त्वनित्ये,
जीवो नित्यो हेतुरस्य त्वनित्यः।।

**-Never sacrifice virtue for fear, base desire, avarice or pain of death itself; for, virtue, which gives happiness to the mind, is everlasting, but pleasure and pain which originate from the circumstances of the body, are transitory.-M *ahabharat,***

एक एव सुहृद्धर्मो निधनेप्यनुयाति य।
शरीरेण समं नाशं सर्वमन्यद्धि गच्छति।

**-There is only one true companion of man on earth, and that is virtue. It accompanies him even after death; but everything else perishes with the *body-Manu.***

सत्यमेव जयते नानृतं सत्येन पन्था विततो देवयानः।
येनाक्रमन्त्यृषयो ह्याप्तकामा यत तत्सत्यस्य परमं विधानम्।।

**It is not falsehood but truth, that ultimately prevails. It leads us to heaven by the royal road trodden by the ancient sages of subdued passion and curtailed desires. It lands us on the brilliant shore, and lodges us safe in the beaven of *happiness-Upanishad.***

नहि सत्यात्परो धर्मो नानृतात्पातकं परम्।
नहि सत्यात्परं ज्ञानं तस्मात् सत्यं समाचरेत्।।

**- There is no virtue higher than truth, there is no vice baser than falsehood, there is no knowledge greater than truth. Truth, therefore, and truth alone, all must follow.-*Upanishad.***

***To be continued.....***

***With thanks By:***
***"Flash of Truth"***

सम्पन्न कार्यक्रम

## शराब बंदी जागरूकता अभियान

मशाल संस्था द्वारा 1 मार्च 2020 को शिव मंदिर लखनऊ मोड़ तिमारपुर दिल्ली में शराबबंदी को लेकर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें स्थानीय लोग जुड़ते गए और सभी ने इसकी सराहना की। इस अवसर पर चर्चा के दौरान लोगों ने अपने घरों की परेशानियां व्यक्त करते हुए शराब को बहुत बड़ा दुर्गुण कहा। इस अभियान में कई प्रोफेसर भी सम्मिलित हुए और उन्होंने शराब बंदी पर सहमति जताई।

## स्मृति समारोह संपन्न

आर्य प्रतिनिधि सभा कर्नाटक एवं आर्य समाज हुमनाबाद जिला बीदर द्वारा 1 मार्च 2020 को अमर हुतात्मा पंडित शिवचंद, श्री राव जी राव, श्री नरसिंग राव, श्री लक्ष्मण राव जी के जन्म एवं बलिदान की स्मृति में विशेष समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर आर्य प्रतिनिधि सभा कर्नाटक एवं आर्य समाज हुमनाबाद जिला बीदर के अधिकारी, कार्यकर्त्ता, सदस्य और क्षेत्रीय आर्यजनों ने अमर शहीदों को नमन करते हुए यज्ञ, प्रवचन और भजनों के कार्यक्रम आयोजित किए।

## पंजाब की योगासन टीम में गुरुकुल करतारपुर के छात्र

1 मार्च 2020,पतांजलि योग समिति पंजाब द्वारा जालांधर में आयोजित पंजाब राज्य योगासन प्रतियोगिता में गुरुकुल करतारपुर के छात्रों का चयन हुआ। इस प्रतियोगिता में पंजाब राज्य के लगभग सभी जिलों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के वरिष्ठ वर्ग में गुरुकुल करतारपुर का प्रथम स्थान रहा। अब यह विद्यार्थी अप्रैल मास में होने वाली राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता में भाग लेंगे। पिछले दिनों 24 से 28 फरवरी 2020 के बीच गुरुकुल के छात्रों को सैक्शनिक यात्रा भी कराई गई। जिसमें चण्डीगढ़ के समस्त दर्शनीय स्थलों के साथ-साथ कपूरथला में साईस सिटी का भी भ्रमण कराया गया।

## प्रथम वार्षिक उत्सव

वैदिक जीवन दर्शन धर्मार्थ न्यास द्वारा संचालित वैदिक ग्राम परियोजना का प्रथम वार्षिक उत्सव छेड़ी, वसायक हमीरपुर उत्तरप्रदेश में 15 मार्च 2020 को संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री के.एन. गोविंदाचार्य जी और विशिष्ठ विद्वान के रूप में आचार्य सत्यजित जी, आचार्य संदीप जी, कविता दीदी जी आदि उपस्थित रहें।

*- आचार्य रवींद्र*

## आर्य परिवार होली मंगल मिलन

आर्य समाज माडल बस्ती द्वारा 8 मार्च 2020 को आर्य परिवार होली मंगल मिलन समारोह मनाया गया। इस अवसर पर यज्ञ के ब्रह्मा श्री जयप्रकाश शास्त्री जी द्वारा नवसस्येष्टी यज्ञ कराया गया। श्री संदीप आर्य जी के भजन और फूलों की होली खेली गई।

## शांति यज्ञ संपन्न

आर्य वीर दल बलरामपुर उत्तरप्रदेश द्वारा दिल्ली हिंसा में मृतकों की आत्मा की शांति के लिए यज्ञ, उपवास और मंत्र जाप का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर 51 आर्यवीर/वीरांगनाओं ने हस्ताक्षर करके राष्ट्र की रक्षा के लिए मांग पत्र क्षेत्रीय विधायक श्री कैलाश नाथ शुक्ला को सौंपा। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष महिला प्रष्कोष्ट, भाजपा श्रीमती मंजु तिवारी भी उपस्थित थी।

## 8 कुंडीय महायज्ञ संपन्न

डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल एम.सी.एल जगननाथ क्षेत्र नई दिल्ली द्वारा 10वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए 8 कुंडीय आशीर्वाद यज्ञ समारोह संपन्न हुआ। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती शुक्ला चक्रवर्ती ने अभिभावकों और बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए आर्य समाज के नियमों का संदेश सुनाया।

## प्राकृतिक आपदा

आर्ष गुरुकुलम तुरंगा, छतीसगढ़ का प्राकृतिक आपदा के रूप में आंधी, तुफान आने से काफी नुकसान हो गया। अभी पिछले दिनों इस गुरुकुल ने वैदिक धर्म, संस्कृति सम्मेलन का आयोजन भी किया था। जिसमें वहां की महामहिम राज्यपाल स्वयं पधारी थी। 5 मार्च 2020 को आए आंधी, तुफान ने गुरुकुल का रसोई घर, पुराना भवन, भण्डार ग्रह, नवनिर्मित शौचालय आदि पर पेड़ गिरने से भारी नुकसान हुआ। गुरुकुल के संचालक और बच्चे स्थिति को सुधारने के लिए प्रयासरत्त है।

## नवसंस्येष्टि यज्ञ संपन्न

पूर्वी मंडल आर्य समाज जनता कालोनी जयपुर द्वारा 9 मार्च 2020 को होली मंगल मिलन एवं नवसंस्येष्टि यज्ञ संपन्न हुआ। यज्ञ के ब्रह्मा डॉ. रामपाल जी विद्या भास्कर, कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री एम.एल.गोयल एवं मुख्य अतिथि के रूप में श्री जगदीश शर्मा जी उपस्थित रहें। कार्यक्रम में स्थानीय संगीतयज्ञ के मधुर भजनों से कार्यक्रम में मधुरता का समावेश हुआ। प्रेम सौहार्द के वातावरण में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

*- ओम प्रकाश गुप्ता, मंत्री*

## नवसंस्येष्टि पर्व संपन्न

आर्य समाज रेलवे कालोनी नेहरू नगर कोटा राजस्थान द्वारा 7 से 9 मार्च तक विभिन्न स्थानों पर वासंती नवसंस्येष्टि पर्व होलीकोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें यज्ञ, भजन और सत्संग के प्रेरक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

*- कर्ण सिंह, मंत्री*

## चतुर्वेद शतकम परायण महायज्ञ

आर्य समाज कुचामन सिटी नागौर द्वारा चतुर्वेद शतकम परायण यज्ञ संपन्न हुआ। यज्ञ के ब्रह्मा श्री सोमदेव जी गुरुकुल मलारना चौड़ मादोपुर में वेद मंत्रों का संदेश सुनाते हुए जीवन को उन्नति, प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ाने की प्रेरणा प्रदान की। इस अवसर पर मधुर भजनों का कार्यक्रम भी प्रेरक सिद्ध हुआ।

## दुर्गा पार्क में प्रथम रविवार को यज्ञ का नियमित आयोजन

आर्य समाज दुर्गा पार्क नई दिल्ली द्वारा पिछले कई वर्षो से महीने के पहले रविवार को प्रातः 6 बजे से 8 बजे तक सीनियर सिटीजन पार्क ए-1, नसीरपुर सब्जी मण्डी के सामने यज्ञ, भजन और प्रवचनों का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस बार इस विशेष आयोजन में प्रधान श्री भरत सिंह यादव, दिल्ली सभा के महामंत्री श्री विनय आर्य जी, सी-ब्लाक जनकपुरी से श्रीमती फूलकौर जी, आचार्य गजराज जी, रूम सिंह जी, योगाचार्य विरेंद्र जी इत्यादि महानुभाव यज्ञ में सम्मिलित हुए। मुख्य संयोजक सुरेश आर्य जी ने राजेश जी का शाल उड़ाकर स्वागत किया गया। श्री विनय आर्य जी इस कार्यक्रम में सर्दी, गर्मी, बरसात कैसा भी मौसम हो समय निकालकर अवश्य पहुंचते हैं और उपस्थित आर्यजनों का मार्गदर्शन भी करते है।

## पर्यावरण शुद्धि संपन्न

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आर्य समाज दुर्गा पार्क की ओर से होली के अवसर पर नवसंस्येष्टि यज्ञ के साथ-साथ कोरोना वायरस से बचने के लिए पर्यावरण शुद्धि यज्ञ का आयोजन 8 मार्च को संपन्न हुआ। इस अवसर पर आर्यसमाज सी-ब्लाक जनकपुरी एवं प. दिल्ली वेद प्रचार मण्डल तथा क्षेत्रीय लोदी राजपुत सभा के लोग सम्मिलित हुए। - *चौबसिंह लोधी, मंत्री*

## वार्षिक उत्सव संपन्न

आर्य समाज हीराकुद, संबलपुर ओडिशा द्वारा वार्षिक उत्सव का आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर संन्यासी और विद्वानों द्वारा यज्ञ, प्रवचन और भजनों के विशेष आयोजन किए गए।

## वार्षिक उत्सव संपन्न

आर्य समाज आहूलाना, तहसील गोहाना सोनीपत द्वारा 87वां वार्षिक उत्सव 13 से 15 मार्च तक संपन्न हुआ। इस अवसर पर मास्टर रामपाल आर्य, प्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा, हरियाणा, आचार्य सर्वमित्र जी, स्वामी वेदप्रकाश सरस्वती जी, हिमाचल प्रदेश, पंडित रामनिवास आर्य, भजनोपदेशक, पूनम आर्य जी, प्रवेश आर्य जी, पंडित सतपाल मधुर जी, इत्यादि महानुभावों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। प्रतिदिन यज्ञ, भजन और प्रवचनों के कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रेम सौहार्द के वातावरण में वार्षिक उत्सव संपन्न हुआ।

## वार्षिक उत्सव संपन्न

आर्य समाज पवनपुरी पटेल नगर बीकानेर द्वारा वार्षिक उत्सव का आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर यज्ञ, भजन और प्रवचनों से लोग लाभान्वित हुए तथा सभी ने कार्यक्रम की प्रशंसा की।

## 56वां आर्य महासम्मेलन संपन्न

आर्य समाज छाता, मथुरा द्वारा 12 से 14 मार्च 2020 तक 56वां महासम्मेलन धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर स्वामी सच्चिदानंद सरस्वती जी, आचार्य सोमदेव जी, श्री भानूप्रताप शास्त्री जी, कुमारी सुकीर्ति आर्या जी आदि अनेक क्षेत्रीय और प्रांतीय अधिकारी, कार्यकर्त्ता और सदस्य उपस्थित रहे। प्रतिदिन यज्ञ, भजन और प्रवचनों के विशेष आयोजन किए गए। आर्य महासम्मेलन पर वेद महर्षि दयानंद और आर्य समाज की विचारधारा विशेष रूप से प्रचारित की गई। प्रेम सौहार्द के वातावरण में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

## आगामी कार्यक्रम

### आर्य गुरुकुल तिहाड़ ग्राम में शिक्षक प्रशिक्षण शिविर

अखिल भारतीय दयानंद सेवाश्रम संघ दिल्ली के द्वारा आर्य गुरुकुल तिहाड़ ग्राम में 13 से 29 मार्च 2020 तक शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। स्त्री-पुरुष दोनों वर्ग के शिक्षक शिविर में भाग ले सकते हैं। सम्पर्क करें-

***नीरज आर्य, मन्त्री (9810102856)***

### नि:शुल्क वैचारिक क्रांति शिविर

अखिल भारतीय दयानंद सेवाश्रम संघ द्वारा आगामी 21 से 31 मई 2020 तक आर्य समाज रानी बाग में वैचारिक क्रांति शिविर का आयोजन किया जाएगा।

शिविर में भाग लेने हेतु शिवरार्थियों को शयनयान श्रेणी का मार्ग व्यय प्रदान किया जाएगा। शिक्षक-शिक्षकाओं, युवाओं-युवतियों को प्राथमिकता दी जाएगी। **अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें। मो. 9425944843**

***- जोगेन्द्र खट्टर, महामन्त्री***

### आर्य समाज मुंडेरा बाजार का स्वर्ण जयंती समारोह

आर्य समाज मुंडेरा बाजार, प्रयागराज द्वारा आर्य समाज के 50वें स्थापना दिवस पर 16 अप्रैल 2020 को स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर वार्षिक उत्सव 20 अप्रैल से 3 मई तक आयोजित किया जाएगा। आवसीय सुविधा हेतु पूर्व सूचित करें। मो. 7007796112। आप सभी सादर आमंत्रित है। - **मन्त्री**

### गुरुकुल का उद्घाटन

पूज्य स्वामी प्रणावानंद सरस्वती के आशीर्वाद से बेरागढ़, तहसील बेरसिया, जिला भोपाल मध्यप्रदेश में 10 से 13 अप्रैल 2020 तक गुरुकुल उद्घाटन के अवसर पर आर्य युवक चरित्र निर्माण एवं व्यायाम प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर सुयोग्य व्यायाम प्रशिक्षकों द्वारा जुड़ों-कराटें आत्मरक्षा, आसन-प्राणायाम, सैनिक शिक्षा, दंडबैठक, लाठी छुरों के अभ्यास, देशी खेलों के अभ्यास एवं संध्या-यज्ञ, भजन, देशभक्ति गीत, वैदिक संस्कृति का ज्ञान सिखाया जाएगा। गुरुकुल का उद्घाटन 12 एवं 13 अप्रैल को होगा। **विस्तृत जानकारी के लिए आचार्य जीवनप्रकाश, मो. 9868072383 से सम्पर्क करें।** - *आचार्य*

### आदर्श जीवन निर्माण एवं आर्य परिवार अध्यात्मिक योग शिविर

आर्य प्रतिनिधि सभा मुम्बई द्वारा 27 अप्रैल से 3 मई 2020 तक बालक-बालिकाओं, आयु सीमा 10 से 22 वर्ष तक के लिए आदर्श जीवन निर्माण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस क्रम में 1 से 3 मई 2020 के बीच आर्य परिवार अध्यात्मिक योग शिविर भी लगाया जाएगा। इन शिविरों के संयोजक आर्य पुरोहित सभा मुम्बई तथा आयोजक आर्य वीरदल मुम्बई हैं। दोनों शिविरों के शुल्क राशि बच्चों के लिए 1500 रुपए, आर्य परिवार के लिए 3500 रुपए सुनिश्चित है। इन शिविरों में प्रतिभागियों के लिए आधुनिक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। सम्पर्क सूत्र : 9869113402, 9092421718, 9821231731

### रजत जयंती समारोह

आर्ष गुरुकुल दयानंद वाणी के रजत जयंती समारोह 1 से 5 अप्रैल 2020 को सफल बनाने हेतु एक विशेष गोष्ठी का आयोजन किया गया है। बिहार राज्य आर्य प्रतिनिधि सभा के मंत्री डॉ. व्यास नंदन शास्त्री जी की उपस्थिति में कार्यक्रम की तैयारी की समीक्षा की गई।

***- व्यासनंदन शास्त्री, मन्त्री***

### अमृत ध्यान साधना शिविर

आर्य समाज सैक्टर-9 पंचकुला द्वारा 23 से 29 मार्च 2020 तक आचार्य सान्नद जी के कुशल सान्निध्य में अमृत ध्यान साधना शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस ध्यान साधना में ध्यान योग शिविर, देव यज्ञ, प्रवचन के सत्र आयोजित किए जाएंगे। शिविर का समापन 29 मार्च को प्रात:काल 8 बजे से 10:30 बजे तक आयोजित किया जाएगा। - ***मन्त्री***

### गुरुकुल में प्रवेश आरंभ

आचार्य पाणीग्राही चतुर्वेद संस्कृत वेद पाठशाला भोपाल म.प्र. में 15 मार्च से 15 अप्रैल तक प्रवेश हेतु साक्षात्कार का आयोजन किया गया। इसके लिए विद्यार्थी को कक्षा 6 में उत्तीर्ण होना चाहिए। गुरुकुल में आवास, भोजन नि:शुल्क रहेगा तथा विद्यार्थी को 1000 रुपए प्रतिमाह छात्रवृत्ति भी दी जाएगी। अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें - आचार्य अवनीश त्रिवेदी, फोन नं.-9630966969,9425371542

### जन चेतना महायज्ञ

गुरुकुल प्रभात आश्रम टीकरी, भोलाझाल मेरठ द्वारा 25 मार्च 2020 को महाराणा प्रताप प्रांगण मेरठ मे 521 कुंडीय जनचेतना महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। इस जन चेतना महायज्ञ के ब्रह्मा स्वामी विवेकानंद सरस्वती जी कुलाधिपति गुरुकुल प्रभात आश्रम होंगे। आप सभी इस अवसर पर सादर आमंत्रित है। यजमान बनने हेतु सम्पर्क करें:- 9319300954, 9837781950 - ***आचार्य वाचस्पति***

### योग साधना शिविर एवं सामवेद परायण यज्ञ

महात्मा रसीला राम वैदिक वानप्रस्थ आश्रम एवं गुरुकुल, आनन्दधाम गढ़ी, उदमपुर द्वारा 26 अप्रैल से 3 मई 2020 तक योग ध्यान साधना शिविर एवं सामवेद परायण यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में महात्मा चैतन्य स्वामी जी का सान्निध्य तथा पूज्य माता सत्यप्रिया यति जी का आशीर्वाद प्राप्त होगा। सम्पर्क करें -**अरुण आर्य, (आ. महामंत्री) 9906029549**

**यार्देवेंद्र शर्मा, (मंत्री), 9419796949**

## सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली की अन्तरंग बैठक 26 मार्च, 2020 स्थगित

देश में उत्पन्न वर्तमान परिस्थितियों, सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं सभा के माननीय प्रधान श्री सुरेशचन्द्र आर्य जी के आदेशानुसार **सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की अन्तरंग बैठक 26 मार्च, 2020 आगामी आदेश तक स्थगित कर दी गई है।** सभी माननीय अधिकारियों, सदस्यों, विशेष आमन्त्रित सदस्यों एवं प्रान्तीय आर्य प्रतिनिधि सभाओं के माननीय प्रधान एवं मन्त्री महोदयों से निवेदन है कि अपने रेलवे/हवाई आरक्षण निरस्त करा देवें एवं अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

***- प्रकाश आर्य, सभामन्त्री, सार्वदेशिक सभा, नई दिल्ली***

### आर्य समाज स्थापना दिवस एवं सामवेद परायण यज्ञ

आर्यसमाज कोठली कालोनी (रिहाड़ी) जम्मू द्वारा 22 से 29 मार्च 2020 तक आर्य समाज स्थापना दिवस एवं सामवेद परायण यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य चयन लाल शास्त्री जी होंगे तथा प्रवक्ता के रूप में डॉ. वेदपाल जी, प्रधान परोपकारिणी सभा होंगे। आप सभी सादर आमंत्रित है।

**- निशचिंत खन्ना, मंत्री**

### साधना, स्वाध्याय चरित्र निर्माण शिविर

गुरुकुल आश्रम सलखिया, तहसील लैलूंगा जिला रायगढ़, छत्तीसगढ़ द्वारा 9 मई से 15 मई 2020 तक साधना, स्वाध्याय चरित्र निर्माण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में मनुष्य जीवन का उद्देश्य, वेद और ऋषियों की परंपरा के अनुसार जीवन शैली सिखाई जाएगी। आचार्य आनंदस्वरूप जी, आचार्य श्रीमती निर्मला जी, विशुद्धानंद सरस्वती जी, गुरुकुल के संरक्षक श्री दीनदयाल गुप्ता जी, का सान्निध्य प्राप्त होगा। शिविर शुल्क 1000 रुपए देय होगा। अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें- श्री महिपत लाल आर्य, महामंत्री, मो. 09977152119, 9575830179

### 30वां वार्षिक उत्सव एवं वेदारंभ संस्कार समारोह

आर्ष गुरुकुल महाविद्यालय आबू पर्वत, जिला सिरोही, राजस्थान द्वारा 23 से 25 मई 2020 तक 30वें वार्षिक उत्सव एवं वेदारंभ संस्कार समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर यज्ञ, वेदोपदेश, प्रवचन, राष्ट्रीय वेद संगोष्टी तथा अन्य अनेक प्रेरक कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

***- ओमप्रकाश आर्य, आचार्य***

### राष्ट्रीय कवि सम्मेलन

सार्वदेशिक आर्य वीर दल पलवल शाखा एवं आर्य समाज पलवल शहर द्वारा शहीदी दिवस, आर्य समाज स्थापना दिवस एवं नव सम्वतसर के उपलक्ष्य में 22 मार्च 2020 को पंचायत भवन महर्षि दयानंद चौक (आगरा चौक) पलवल में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर हास्य कवि सबरस मुरसानी हाथरस, रामबाबू शिकरवार, ढोलापुर राजस्थान, विनय विनम्र गोरखपुर, श्रीमती चेतना शर्मा, आगरा, धर्मेश अविचल, अलीगढ़, सुरजपाल बेनीवाल, मथुरा, डॉ. जगदीश शर्मा, होडल की कविताएं प्रस्तुत होंगी। इस अवसर पर आप सभी इष्ट मित्रों सहित सादर आमंत्रित है।

***- ओम प्रकाश शास्त्री, मंत्री***

### सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल राष्ट्रीय शिविर

गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल के तत्वावधान में राष्ट्रीय शिविर का आयोजन 7 जून से 14 जून 2020 तक एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, सेक्टर-44, नोएडा उत्तरप्रदेश में आयोजित किया जाएगा इस शिविर में कन्याओं को शारीरिक, आत्मिक, नैतिक और बौद्धिक सिद्धांतों एवं संस्कारों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। समाज व परिवार के उत्थान में अहम भूमिका के निर्वहन हेतु शिविर में भाग लेने के लिए अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

| साध्वी डॉ. उत्तमा यति | मृदुला चौहान | आरती खुराना | विमला मलिक |
|---|---|---|---|
| प्रधान संचालिका | सह संचालिका | सचिव | कोषाध्यक्ष |
| 9672286863 | 9819792760 | 9910234595 | 7289915010 |

ओ३म्
भारत में फैले सम्प्रदायों की निष्पक्ष व तार्किक समीक्षा के लिए उत्तम कागज़, मनमोहक जिल्द एवं सुन्दर आकर्षक मुद्रण (द्वितीय संस्करण से मिलान कर शुद्ध प्रामाणिक संस्करण)
सत्य के प्रचारार्थ
सत्यार्थ प्रकाश
सत्य के प्रचारार्थ

| | | | |
|---|---|---|---|
| • प्रचार संस्करण (अजिल्द) 23×36÷16 | मुद्रित मूल्य 50 रु. | प्रचारार्थ 30 रु. | प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं |
| • विशेष संस्करण (सजिल्द) 23×36÷16 | मुद्रित मूल्य 80 रु. | प्रचारार्थ 50 रु. | |
| • स्थूलाक्षर सजिल्द 20×30÷8 | मुद्रित मूल्य 150 रु. | | प्रत्येक प्रति पर 20% कमीशन |

10 या 10 से अधिक प्रतियाँ लेने पर विशेष अतिरिक्त कमीशन
कृपया, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें और महर्षि दयानन्द की अनुपम कृति **सत्यार्थ प्रकाश** के प्रचार प्रसार में सहभागी बनें
आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6
Ph. :011-43781191, 09650522778
E-mail : aspt.india@gmail.com

# साप्ताहिक आर्य सन्देश

सोमवार 16 मार्च, 2020 से रविवार 22 मार्च, 2020

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान् रोड, नई दिल्ली-110001

दिल्ली पोस्टल रजि.नं0 डी.एल.(एन.डी.)-11/6071/2018-19-2020

नई दिल्ली पी.एस.ओ. में पोस्ट करने का दिनांक 19-20 मार्च, 2020

पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं. यू. (सी.) 139/2018-19-2020

आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथि: बुधवार 18 मार्च, 2020


## आर्य केन्द्रीय सभा दिल्ली द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार स्थगित किया गया

*प्रतिष्ठा में,*

## पद्मभूषण महाशय धर्मपाल जी का 97वां जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित समारोह स्थगित का निर्णय

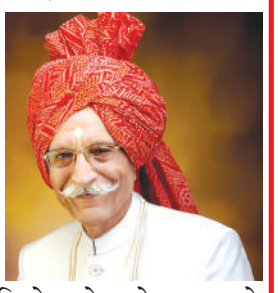

समस्त आर्यजनों, आर्यसमाजों, आर्य प्रतिनिधि सभाओं, गुरुकुलों, आर्य विद्यालयों एवं महाशय धर्मपाल जी द्वारा सम्पोषित सभी संस्थानों के माननीय अधिकारियों से सूचनार्थ है कि महाशय जी के निर्णय के अनुसार कोरोना वायरस एवं इसके सम्बन्ध में सरकार द्वारा जारी निर्देशों को देखते हुए उनके 97वें जन्मदिवस का समारोहपूर्वक न मनाया जाए। अत: आप सभी से निवेदन है कि आप महाशय जी के स्वस्थ एवं दीर्घायुष्य की कामना के साथ अपने-अपने स्थान यज्ञादि के कार्यक्रम आयोजित करें। आप उन्हें वीडियो सन्देश के माध्यम से अपना बधाई सन्देश भेज सकते हैं। कृपया बधाई देने हेतु व्यक्तिगत रूप से पधारने का कष्ट न करें। महाशय जी की कामना है कि आप सब पूर्ण स्वस्थ रहें। परिवार के सब सदस्यों का पूरा ध्यान रखें और देश को स्वस्थ रखने में अपना पूर्ण योगदान दें।

**आप अपना बधाई सन्देश 9810009046 नम्बर पर भेज सकते हैं।**

**निवेदक : दिल्ली आर्य प्र. सभा आर्य केन्द्रीय सभा दि.राज्य एम.डी.एच. परिवार**

## शोक समाचार

### श्री मिलापचन्द आर्य जी का निधन

आर्य प्रतिनिधि सभा हिमाचल प्रदेश के अधिकारी श्री मिलापचन्द आर्य जी का 29 फरवरी, 2020 को निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार पूर्ण वैदिक रीति से किया गया। उनकी स्मृति में शान्ति यज्ञ एवं श्रद्धांजलि सभा में आर्य प्रतिनिधि सभा हिमाचल के प्रधान श्री प्रबोधचन्द सूद, महामन्त्री विपिन महाजन जी श्री अजय सहगल श्री संजीव गुप्ता एवं दीपक गुप्ता आदि ने पहुंचकर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। यज्ञ स्वामी वेद प्रकाश जी सरस्वती जी ने सम्पन्न कराया।

### माता उर्मिल मेहता का निधन

आर्यसमाज विकास पुरी बाहरी रिंग रोड की संस्थापक सदस्या माता उर्मिल मेहता जी का 11 मार्च, 2020 को निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार संत नगर (करोल बाग) स्थित शमशान घाट पर पूर्ण वैदिक रीति से आचार्य चन्द्रशेखर जी द्वारा कराया गया। उनकी स्मृति में शान्ति यज्ञ एवं श्रद्धांजलि सभा 14 मार्च को आर्य महिला आश्रम राजेन्द्र नगर में सम्पन्न हुई।

**दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्यसन्देश परिवार के समस्त अधिकारी एवं कार्यकर्त्ता परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं शोक-संतप्त परिजनों को इस दारुण दु:ख को सहन करने की शक्ति, सामर्थ्य एवं उनके पदचिह्नों पर चलने की प्रेरणा प्रदान करे। -सम्पादक**

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक श्री धर्मपाल आर्य द्वारा हरिहर प्रैस, ए-29/2, नरायणा औद्यो. क्षेत्र-1, नई दिल्ली-28 से मुद्रित एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-1; फोन : 23360150; 23365959; E-mail : aryasabha@yahoo.com; Web : www.thearyasamaj.org से प्रकाशित

सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ० ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह